

कार्यालय जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।

पत्रक: /जि०यो०-प्र०वि०स्वी०/2011-12 दिनांक: २ सितम्बर, 2011

कार्यालय ज्ञाप

प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन, श्रम एंव सेवायोजन अनुभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 636/VIII/11-14 (सेवा)/2008 दिनांक 31 मई, 2011 द्वारा अनुदान संख्या-16 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में वित्तीय वर्ष 2011-2012 हेतु सेवायोजन प्रखण्ड में प्राविधानित धनराशि ₹ 1.00 लाख की स्वीकृत कर अधोहस्ताक्षरी के निर्वतन में रखी गई है।

जिला सेवायोजन अधिकारी पिथौरागढ़ ने अपनी टीप-1 दिनांक 29-08-2011 द्वारा उक्त धनराशि ₹ 1.00 लाख से अॅन लाईन पंजीयन हेतु 01 प्रिंटर, 02 कम्प्यूटर एंव बेरोजगार अभ्यार्थियों के लाभार्थ हेतु कैरियर साहित्य/फार्मों की छपाई/जॉब फेयर हेतु वित्तीय/प्रशासनिक स्वीकृति चाही गयी है।

उक्त संदर्भित शासनादेश में दिए गए निर्देशानुसार जिला सेवायोजन अधिकारी पिथौरागढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के क्रम में वर्ष 2011-12 की जिला योजना में सेवायोजन विभाग हेतु जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदित कार्यों के सम्पादन हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०स०/2008 दिनांक 24.03.2008 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत उक्तानुसार ₹ 1.00 लाख (एक लाख रुपये) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है:-

1. उक्त संदर्भित पत्र, प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन, श्रम एंव सेवायोजन अनुभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 636/VIII/11-14 (सेवा)/2008 दिनांक 31 मई, 2011 में उल्लेखित समस्त शर्तों एवं प्राविधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए।
2. इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा वर्ष 2011-12 में अनुमोदित कार्यों के लिये किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय स्वीकृत योजनाओं पर ही आवंटित सीमा तक किया जाए। धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेश के तहत किया जाए। जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त कर ली जाए।
4. जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उसमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृतियाँ अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
5. स्वीकृत धनराशि ऐसे कार्यों पर व्यय न की जाए जिसमें किसी प्रकार का विवाद हो।
6. स्वीकृत धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2012 तक कर लिया जाए तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रगति विवरण विभागाध्यक्ष/शासन को उपलब्ध कराया जाए।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कथ प्रक्रिया उत्तराखण्ड अधिग्राहित प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008 के अधीन शर्तों व नियमों तथा अन्य सुसंगत नियम/शासनादेश आदि का कडाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
8. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाए जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। आहरण/व्यय एक मुस्त न करके आवश्यकता अनुसार ही किया जाए।
9. व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कडाई से अनुपालन किया जाए।
10. उपरोक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय शासनादेशों में निहित शर्तों के अधीन किया जाए।
11. स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र शासन/विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत किया जाएगा।
12. मासिक व्यय विवरण/वी०एम०-८ प्रत्येक माह अपने विभागाध्यक्ष को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-16 के प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन, श्रम एंव सेवायोजन अनुभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 636/VIII/11-14 (सेवा)/2008 दिनांक 31 मई, 2011 में उल्लेखित सुसंगत लेखाशीर्षकों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि०य०/रा०य०आ०/मु०स०/2008 दिनांक 24.03.2008 तथा प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड शासन, श्रम एंव सेवायोजन अनुभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 636/VIII/11-14 (सेवा)/2008 दिनांक 31 मई, 2011 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

(डा० एम०सी० जोशी)

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

संख्या: 1422/जि०य०/प्रा०वि०स्वी०/2011-12 तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नांकित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. जिला सेवायोजन अधिकारी पिथौरागढ़।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी पिथौरागढ़।
3. उप निदेशक, (अर्थ एंव संख्या) कुमायूँ मण्डल, हल्द्वानी।
4. निदेशक, अर्थ एंव संख्या, देहरादून।

प्रतिलिपि: सूचनार्थ प्रेषित।

1. ओँयुक्त कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
2. निदेशक, एन०आई०सी०, देहरादून।
3. सदस्य सचिव, राज्य योजना आयोग, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग बजट सैल, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।